04/08/2020

Social Psychology

Paper V

B.A. III (Hons.)

Causes of Social Tension

सामाजिक तनाव के कारण

(… continued)

6. **राजनैतिक कारक (Political Factors) –**
सामाजिक तनाव राजनैतिक कारकों द्वारा भी उत्पन्न होता है। भिन्न-भिन्न राजनैतिक दलों के अपने-अपने मूल्य तथा अपने-अपने मानदंड होते हैं जिनके अनुसार उनके सदस्यों का व्यवहार निर्देशित एवं नियंत्रित होता है। प्रत्येक दल यह भी चाहता है कि उसे ही अधिक से अधिक जनता का वोट प्राप्त हो ताकि उसके ही दल की सरकार बन पाए एवं सत्ता उन्ही लोगों के हाँथ में हो। इस उद्देश्य की प्राप्ति करने के लिए राजनैतिक नेता समाज में जातिवाद, सम्प्रदायवाद, वर्ग विभेद आदि के भाव उत्पन्न कर के समाज को कई टुकड़ों में विभाजित कर अपना उल्लू सीधा करते हैं। इस तरह के विभाजन के प्रभाव से समाज में जातिय तनाव, सम्प्रदायिक तनाव एवं वर्ग तनाव आदि का जन्म होता है और उनका पोषण होता है।

7. **सांस्कृतिक कारक (Cultural Factors) –**
सामाजिक तनाव तथा समूह तनाव की उत्पत्ति में सांस्कृतिक कारकों का भी हाँथ होता है। संस्कृति एक वृहत शब्द है, जिसके अंतर्गत धर्म, रीति-रिवाज, मूल्य, मानदंड, विचारधारा, भाषा आदि की गणना की जाती है। इन्हें सांस्कृतिक प्रतिरूप कहते हैं। भिन्न-भिन्न संस्कृतियों के प्रतिरूपों में भिन्नता होने के कारण अलगाव का भाव उत्पन्न होता है, जो सामाजिक तनाव का कारण बनता है। हिन्दू संस्कृति तथा मुस्लिम संस्कृति और इसी तरह आदिवासी संस्कृति तथा गैर आदिवासी संस्कृति के प्रतिरूपों में भिन्नता तथा विरोध होने के कारण अलगाव तथा पृथक होने का भाव उत्पन्न होता है, जो सामाजिक तनाव को जन्म देता है। बच्चों के लालन-पालन (child rearing) पर सांस्कृतिक-भिन्नता (cultural variation) का प्रभाव पड़ता है। Mead, 1935 ने Arapesh तथा Mundugumor संस्कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया की बच्चों के प्रशिक्षण में भिन्नता होने के कारण Mundugumor संस्कृति के लोग अपेक्षाकृत अधिक आक्रमणकारी, संवेगी, आवेगी तथा बेरहम होते हैं।

8. **ऐतिहासिक कारक (Historical Factors) –**
सामाजिक तनाव की उत्पत्ति कुछ ऐतिहासिक कारकों से भी होती है। पहले की ऐसी घटनाओं जिसे सुन कर व्यक्ति में संवेग एवं मनोभाव (sentiments) उत्तेजित होते हैं, वे सामाजिक तनाव या सामूहिक तनाव को उत्पन्न करती है। भारतीय परिवेश में मुसलमानों एवं हिन्दुओं तथा निम्न जाति एवं उच्च जाति के बीच साम्प्रदायिक तनाव का एक मुख्य कारण ऐतिहासिक आपत्तिजनक घटनाएं हैं।

स्पष्ट है की सामाजिक तनाव अथवा सामूहिक तनाव के उपर्युक्त अनेक कारण हैं। अतः इसके वास्तविक स्वरुप की जानकारी हेतु इन सभी कारणों को ध्यान में रखना आवश्यक है।

Dr. Hena Hussain

Asst. Professor

Department of Psychology

Oriental College, Patna City

WhatsApp No. – 9334067986

Email-drhenahussain@gmail.com